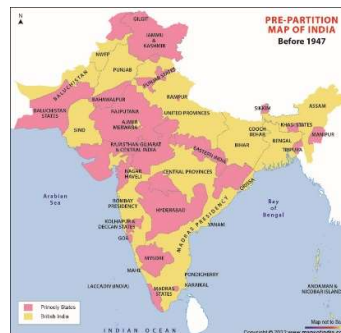
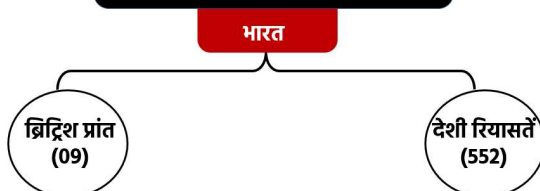


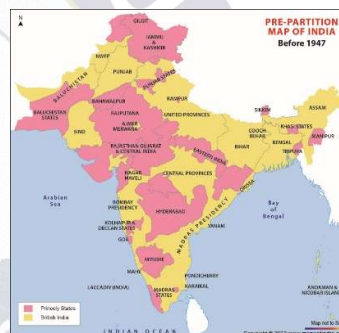
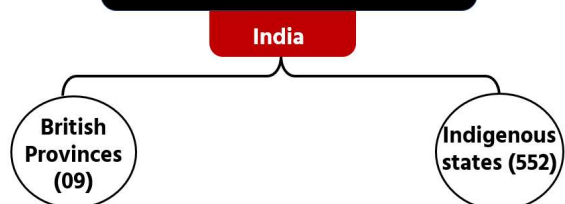
## Polity

### भारत में राज्यों का निर्माण Formation of States in India



- 552 में से 549 रियासतें भारत का भाग बन गईं जबकि :-
  - जूनागढ़ (1948) - जनमत संग्रह
  - हैदराबाद (1948) - ऑपरेशन पोलो
  - J&K (1947) - विलय पत्र के हस्ताक्षर के माध्यम से भारत का हिस्सा बनीं।

### भारत में राज्यों का निर्माण Formation of States in India



- Out of 552, 549 states became part of India while :-
  - Junagadh (1948) - Referendum
  - Hyderabad (1948) - Operation Polo
  - J&K (1947) - became a part of India through the signing of the Instrument of Accession.

### ■ भारत में आजादी के बाद राज्यों के 04 श्रेणी थीं।

भाग-क में राज्य	भाग- ख में राज्य	भाग- ग में राज्य	भाग घ में राज्य
→ ब्रिटिश प्रांत जहाँ <u>गवर्नर</u> का शासन था	→ देसी रियासतें	→ कमिश्नरी	→ <u>अंडमान निकोबार</u> एवं अर्जित किए जाने वाले क्षेत्र
→ संख्या - 09 जैसे - बिहार, संयुक्त प्रांत (उत्तर प्रदेश)	→ संख्या 09 जैसे- हैदराबाद, <u>मैसूर</u>	→ संख्या - 10 जैसे- कुर्ग, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश	→ संख्या - 02

## Polity

- There were 04 categories of states in India after independence.

State in Part-A	State in Part-B	State in Part-C	State in Part D
→ British provinces where governors Was ruled	→ Indigenous states	→ Commissioner	→ Andaman and Nicobar Islands and Areas to Earn
→ Number - 09 Such as - Bihar, United Provinces (Uttar Pradesh)	→ Number - 09 Such as - Hyderabad, Mysore!	→ Number - 10 Such as - Coorg, Delhi, Himachal Pradesh	→ Number - 02

### S.k. धर आयोग :-

- इलाहाबाद 'High Court' के न्यायधीश 's.k.' की अध्यक्षता में वर्ष " June 1948" में "धर आयोग" का गठन किया गया। आयोग ने Dec 1948 अपनी Report सौंपी।

### Report :-

- ✓ भाषा के आधार पर राज्यों के पुर्नगठन को नकार दिया।
- ✓ प्रशासन के आधार पर राज्यों के पुर्नगठन की अनुशंसा की।

### S.K. Dhar Commission :-

- The Dhar Commission was constituted in June 1948 under the chairmanship of Justice S.K. of the Allahabad High Court. The Commission submitted its report on Dec 1948.

### Report :-

- ✓ It rejected the reorganisation of states on the basis of language. Recommended reorganisation of states on the basis of administration.

### J. V. P समिति (committe)

- गठन - Dec 1948
- Report - April 1949
- इस समिति ने भारत में भाषा और धर्म के आधार पर राज्यों के पुर्नगठन नहीं होगा।

### NOTE :-

## Polity

- ✓ इस समिति के Report के बाद आंध्र प्रदेश के आस - पास क्षेत्र तेलगू भाषा के आधार पर राज्य की मांग अत्यधिक हो गई।
- ✓ कांग्रेसी नेता पोद्दी श्रीरामुलु की 56 दिन की भूख हड़ताल के बाद 15 Dec 1952 को मृत्यु हो गई।
- ✓ सरकार ने Oct 1953 को आंध्र प्रदेश राज्य का गठन तेलगू भाषा आधार पर किया।

### J. V. P committee :-

- formation - Dec 1948
- Report - April 1949
- This committee will not reorganize states in India on the basis of language and religion.

### NOTE :-

- ✓ After the report of this committee, the demand for the state on the basis of Telugu language in the vicinity of Andhra Pradesh became overwhelming. Congress leader Potti Sriramulu died on 15 Dec 1952 after a 56-day hunger strike.  
The government formed the state of Andhra Pradesh on the basis of Telugu language on Oct 1953.

### फजल अली आयोग (1953)

- फजल अली आयोग का गठन वर्ष 1953 किया गया जिसमें तीन सदस्य थे।

### सदस्य :-

1. फजल अली
2. के० एम० पणिकर
3. हृदय नाथ कुंजरू

- इस आयोग ने 2 वर्ष के गहन अध्ययन के बाद 1955 में अपनी Report सौंपी।

### Report :-

- ✓ भाषायी आधार पर राज्यों का पुर्नगठन तार्किक और व्यवहारिक नहीं है अतः एक भाषा च की मांग को अस्वीकार किया।
- ✓ प्रशासन के आधार पर राज्यों के पुर्नगठन की अनुशंसा की।

### Fazal Ali Commission (1953)

## Polity

- The Fazal Ali Commission was formed in the year 1953 with three members.

### Member :-

1. Fazal Ali
2. K.M. Panikkar
3. Hriday Nath Kunjru

**The Commission submitted its report in 1955 after two years of intensive study.**

### Report : -

- ✓ The reorganisation of states on linguistic basis is not logical and practical, hence the demand for a single language was rejected.
- ✓ Recommended reorganisation of states on the basis of administration.

### राज्य पुर्नगठन अधिनियम || States Reorganisation Act (1956)

- 14 राज्य A, B, C, D श्रेणी को सरकार ने खत्म करके 6 संघ शासित प्रदेश की स्थापना की ||  
The government abolished the 14 states A, B, C, D category and established 6 union territories.
1. **Which one of the following is the correct chronological order of the formation as full States of the Indian Union? नीचे दिये गए राज्यों को, भारत संघ के संपूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त होने का सही कालानुक्रम कौन सा है?**
    - (a) Sikkim-Arunachal Pradesh-Nagaland-Haryana / सिक्किम - अरुणाचल प्रदेश - नागालैंड हरियाणा
    - (b) Nagaland-Haryana-Sikkim-Arunachal Pradesh / नागालैंड - हरियाणा - सिक्किम - अरुणाचल प्रदेश
    - (c) Sikkim-Haryana-Nagaland-Arunachal Pradesh / सिक्किम - हरियाणा - नागालैंड - अरुणाचल प्रदेश
    - (d) Nagaland-Arunachal Pradesh-Sikkim Har-yana / नागालैंड - अरुणाचल प्रदेश - सिक्किम - हरियाणा

### उत्तर-(b)

2. **Which of the following pair is correctly matched? निम्नलिखित युग्मों (राज्य निर्माण की तिथि) में कौन सा सुमेलित है?**
  - (a) Haryana - November 14, 1966 / हरियाणा - 1 नवम्बर, 1966
  - (b) Mizoram - 25th June, 1986 / मिजोरम - 25 जून, 1986



## Polity

- (c) Telangana 15th August, 2014 / तेलंगाना 15 अगस्त, 2014  
(d) Chhattisgarh – November 20, 2000/छत्तीसगढ़ – 20 नवम्बर, 2000

उत्तर – (a)

**3. Which one of the following is the correct chronological order of the formation as full States of the Indian Union? नीचे दिये गए राज्यों को, भारत संघ के संपूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त होने का सही कालानुक्रम कौन सा है?**

- (a) Sikkim-Arunachal Pradesh-Nagaland-Haryana / सिक्किम - अरुणाचल प्रदेश - नागालैंड - हरियाणा  
(b) Nagaland-Haryana-Sikkim-Arunachal Pradesh -/ नागालैंड - हरियाणा सिक्किम - अरुणाचल प्रदेश  
(c) Sikkim-Haryana - Nagaland - Arunachal Pradesh / सिक्किम - हरियाणा नागालैंड - अरुणाचल प्रदेश  
(d) Nagaland-Arunachal Pradesh-Sikkim Har-yana / नागालैंड – अरुणाचल प्रदेश सिक्किम – हरियाणा

उत्तर-(b)

**4. The following States were created after 1960. Arrange them in ascending chronological order of their formation: and Choose your answer from the given codes: निम्न राज्यों का सृजन वर्ष 1960 के बाद हुआ था। इन्हें उनके गठन के आरोही कालक्रमानुसार व्यवस्थित करिए और अपना उत्तर दिए गए कूट की सहायता से चुनिए:**

- |                         |                       |
|-------------------------|-----------------------|
| 1. Haryana / हरियाणा    | 2. Sikkim / सिक्किम   |
| 3. Nagaland / नागालैण्ड | 4. Meghalaya / मेघालय |

**Codes/ कूट**

- |                |                |
|----------------|----------------|
| (a) 1, 2, 3, 4 | (b) 2, 3, 4, 1 |
| (c) 3, 1, 4, 2 | (d) 2, 4, 1, 3 |

उत्तर-(c)

**व्याख्या -**

तेरहवाँ संशोधन (1962) - नागालैण्ड अठारहवाँ संशोधन (1966) - हरियाणा बाईसवाँ संशोधन (1969)  
मेघालय छत्तीसवाँ संशोधन (1975) - सिक्किम

**5. When did the report of state re-organization Commission implemented?  
राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट कब लागू की गई-**

- (a) 1st Nov 1956 / 1 नवम्बर 1956
- (b) 1st Nov 1954 / 1 नवम्बर 1954
- (c) 10th Dec 1955/10 दिसंबर 1955
- (d) 31<sup>st</sup> Oct 1957/31 अक्टूबर 1957

**उत्तर- (a)**

**6. राज्य पुनर्गठन अधिनियम के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही नहीं है?**

- (a) अधिनियम का सम्बन्ध राज्यों की सीमाओं का फिर से रेखांकन करने की समस्या से था
- (b) यह वर्ष 1956 में पारित हुआ था
- (c) इसने 14 राज्यों और 6 संघ राज्यक्षेत्रों का सृजन किया
- (d) राज्य की सीमाएँ प्रशासनिक सुविधा के लिए खींची गईं

**उत्तर – (a)**

**6. Which one of the following statements is not correct about the States Reorganization Act?**

- (a) The Act was concerned with the problem of redrawing the boundaries of the states
- (b) It was passed in the year 1956
- (c) It created 14 states and 6 union territories
- (d) State boundaries were drawn for administrative convenience

**Answer (a)**

**7. वर्ष 1966 के राज्य पुनर्गठन अधिनियम द्वारा कितने राज्य और संघीय क्षेत्रों की स्थापना की गई?**

- (a) 14 राज्य, 6 संघीय क्षेत्र
- (b) 18 राज्य, 9 संघीय क्षेत्र
- (c) 22 राज्य 8 संघीय क्षेत्र
- (d) 21 राज्य, 7 संघीय क्षेत्र

उत्तर – (a)

7. Which one of the following statements is not correct about the States Reorganization Act?

How many states and union territories were established by the States Reorganization Act of 1966?

- (a) 14 states, 6 union territories
- (b) 18 states, 9 union territories
- (c) 22 states 8 union territories
- (d) 21 states, 7 union territories

Answer (a)

**प्रश्न :** स्वतंत्रता के पश्चात् भाषाई आधार पर राज्यों के गठन हेतु कई प्रयास हुए। इन प्रयासों ने भारतीय अखंडता और एकता पर भी प्रभाव डाला। स्पष्ट करें। (250 शब्द)

**उत्तर :** (प्रश्न विच्छेद – यहाँ प्रश्न के दो भाग हैं। अतः उत्तर की व्याख्या में पहले भाषाई आधार पर राज्यों के गठन के प्रयास और तत्संबंधित प्रक्रियाओं पर जानकारी देंगे फिर इन प्रयासों से अखंडता और एकता पर पड़ने वाले प्रभावों पर जानकारी देंगे।)

**भूमिका** - गांधी जी सहित अन्य नेताओं द्वारा सामान्य तौर पर यह स्वीकार कर लिया गया था कि आजाद भारत अपनी प्रशासनिक इकाइयों के सीमा को भाषायी सिद्धांत पर निर्धारित करेगा। लेकिन आजादी के बाद राष्ट्रीय नेतृत्व में यह विचार व्यक्त किया गया कि देश की सुरक्षा, एकता और आर्थिक संपन्नता पर पहले ध्यान दिया जाना चाहिये। 1948 में एस.के.धर के नेतृत्व में बने भाषाई राज्य आयोग तथा जे.वी.पी. समिति ने भी तात्कालिक रूप से भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के विरुद्ध सलाह दी थी।

**Question:** After independence, many efforts were made to form states on linguistic basis. These efforts also had an impact on Indian integrity and unity. Explain. (250 words)

**Answer:** (Question Separation – Here are two parts of the question. Therefore, in the interpretation of the answer, we will first give information on the attempt to form states on linguistic basis and the processes related to it, then give information on the effects of these efforts on the integrity and unity. )

**Introduction** - It was generally accepted by other leaders, including Gandhiji, that independent India would determine the limits of its administrative units on linguistic principles. But after independence, the view was expressed in the national leadership that the security, unity and economic prosperity of the

## Polity

country should be given first attention. In 1948, under the leadership of S.K. Dhar, the Linguistic States Commission and the JVP were formed. The Committee also immediately advised against reorganisation of States on linguistic basis.

**व्याख्या** - भाषाई आधार पर राज्य गठन हेतु बनी समितियों के सुझाव के बाद पूरे देश में राज्यों के पुनर्गठन को लेकर व्यापक जनान्दोलन शुरू हो गए, जिनमें मद्रास प्रेसीडेंसी से अलग आंध्र राज्य बनाने की मांग सबसे प्रबल थी। अक्टूबर 1952 में पोद्दी श्रीरामलू की आमरण अनशन के चलते मृत्यु हो गई, इसके पश्चात् हुई हिंसा के कारण सरकार को 1953 में आंध्र प्रदेश के रूप में नया राज्य बनाना पड़ा। इसके बाद देश के अन्य क्षेत्रों में भी भाषाई आधार पर राज्यों की माँग जोर पकड़ने के कारण 1956 में 'राज्य पुनर्गठन आयोग' की स्थापना की गई। आयोग की रिपोर्ट के आधार पर वर्ष 1956 में पारित राज्य पुनर्गठन अधिनियम द्वारा भाषायी आधार पर 14 राज्यों तथा 6 केंद्रशासित प्रदेशों का गठन हुआ।

**Explanation** - After the suggestion of the committees formed for the formation of the state on linguistic basis, there was a widespread public movement for the reorganization of states all over the country, in which the demand for a separate Andhra state from Madras Presidency was the strongest. Potti Sriramulu died in October 1952 due to a hunger strike, which led to the government creating a new state in Andhra Pradesh in 1953. After this, due to the demand for states on linguistic basis in other areas of the country, the 'States Reorganization Commission' was established in 1956. On the basis of the report of the Commission, 14 states and 6 union territories were formed on linguistic basis by the States Reorganization Act passed in the year 1956.

**प्रभाव** - भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का कार्य कर राष्ट्रीय नेतृत्व ने राष्ट्रीय एकता के सामने उत्पन्न प्रश्न चिह्न को समाप्त कर दिया जो संभवतः विघटनकारी प्रवृत्तियों को बढ़ावा दे सकता था। जहाँ भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन ने क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा किया वहीं उसने जनता की भावनाओं का भी ध्यान और मान रखा। इससे लोगों के अंदर यह भावना बलवती हुई कि स्वतंत्र भारत में उनकी ईच्छाओं, भावनाओं तथा सांस्कृतिक पहलुओं के साथ-साथ उनकी क्षेत्रीय भाषा को भी महत्त्व दिया जा रहा है। इसके अलावा यह भी महत्त्वपूर्ण है कि भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन ने देश के संघीय ढाँचे को प्रभावित नहीं किया तथा केंद्र एवं राज्य के संबंध पूर्ववत् बने रहे।

हाल ही के वर्षों में इसमें एक नवीन प्रवृत्ति देखने को मिली, जो राज्य भाषा के आधार पर निर्मित हुये थे उनमें भी पुनः राज्य गठन की माँग जोर पकड़ने लगी है। इसी कड़ी में नवीनतम राज्य तेलंगाणा का निर्माण हुआ।

**Impact** : By working to reorganize states on linguistic lines, the national leadership eliminated the question mark of national unity that could potentially lead to disruptive tendencies. While the reorganisation of states on the basis of



## Polity

language fulfilled regional aspirations, it also took care and respected the sentiments of the people. This strengthened the feeling among the people that in independent India, along with their wishes, feelings and cultural aspects, their regional language was also being given importance. Moreover, it is also important that the reorganisation of states on linguistic basis did not affect the federal structure of the country and the centre-state relations remained intact.

In recent years, there has been a new trend, even in states that were formed on the basis of language, the demand for re-formation of the state has started gaining momentum. In this series, the latest state Telangana was created.

**निष्कर्ष // conclusion** - राज्यों के पुनर्गठन ने भारत की एकता को कमजोर नहीं किया बल्कि संपूर्ण रूप से देखा जाए तो मज़बूत ही किया है परंतु यह विभिन्न राज्यों के मध्य सभी विवादों और समस्याओं का समाधान नहीं कर पाया। विभिन्न राज्यों के बीच सीमा विवाद, भाषाई अल्पसंख्यकों की समस्या के साथ-साथ नदी जल बँटवारा की समस्या जैसे प्रश्न अभी भी अनसुलझे पड़े हैं। || The reorganization of states has not weakened the unity of India but has strengthened it as a whole, but it has not been able to resolve all the disputes and problems between different states. Questions such as border disputes between different states, the problem of linguistic minorities as well as the problem of river water sharing still remain unresolved.

